

अनन पुं. (तत्.) 1. सांस लेना, श्वास-ग्रहण करने की क्रिया 2. जीना।

अननुकूल [अन्+अनुकूल] वि. (तत्.) 1. जो अनुकूल न हो, प्रतिकूल, विपरीत, विषम, उल्टा।

अननुग्रह वि. (तत्.) किसी व्यक्ति, वस्तु आदि को नापसंद करने या अनुग्रहयोग्य न मानने का भाव disfavour

अननुज्ञप्त वि. (तत्.) 1. जिसकी या जिसे (आधिकारिक) अनुमति न मिली हो 2. जिसे अनुज्ञप्ति licence प्राप्त न हुई हो।

अननुज्ञात वि. (तत्.) जिसकी अनुमति अथवा अनुज्ञा नहीं दी गई हो, जिसे स्वीकृत नहीं किया गया हो; नामंजूर disallowed

अननुज्ञापित वि. (तत्.) जिसकी अनुज्ञप्ति न की गई हो, जिसकी स्वीकृति न दी गई हो।

अननुज्ञेय [अन्+अनुज्ञेय] वि. (तत्.) जो ग्राह्य, मान्य अथवा अनुज्ञेय न हो।

अननुदिष्ट वि. (तत्.) किसी कार्य के लिए जिसे अनुदेश, निर्देश न दिया गया हो, अनुदिष्ट का विलोम।

अननुनासिक वि. (तत्.) जो अनुनासिक न हो, निरनुनासिक, सानुनासिक का विलोम।

अननुपात पुं. (तत्.) गणि. अनुपातहीनता

अननुपालन पुं. (तत्.) आज्ञा आदि का पालन न होना।

अननुप्रमाणित वि. (तत्.) जो अनु-प्रमाणित अथवा साक्ष्यांकित न हो। unattested

अननुभावक वि. (तत्.) जो समझने में असमर्थ हो।

अननुभावकता स्त्री. (तत्.) 1. ज्ञान का अभाव 2. अबोध, अज्ञान, अज्ञानता।

अननुभाषण पुं. (तत्.) वादी के भाषण का प्रतिवादी द्वारा उत्तर न दिए जाने की स्थिति।

अननुभूत वि. (तत्.) जिसका अनुभव न हुआ हो।

अननुमत वि. (तत्.) जिसकी अनुमति या स्वीकृति न हो।

अननुमोदन वि. (तत्.) अनुमोदित न होने की स्थिति या भाव, अनुमोदित न करना, उचित न मानना disapproval

अननुमोदित वि. (तत्.) कार्य का प्रस्ताव आदि जिसका अनुमोदन, समर्थन न किया गया हो 2. अस्वीकृत, नामंजूर विलो. अनुमोदित।

अननुरूप वि. (तत्.) 1. जो (किसी के) अनुरूप न हो 2. जो किसी की मर्यादा के विपरीत हो।

अननुषंगी वि. (तत्.) जो अनुषंगी या सहायक न हो, जो संबंधित न हो।

अननुष्ठान पुं. (तत्.) अनुष्ठान का अभाव, किसी क्रिया का संपन्न न होना।

अननुसूचित वि. (तत्.) जिसे अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया है विलो. अनुसूचित।

अनन्न पुं. (तत्.) 1. अन्न से भिन्न पदार्थ जो खाने योग्य न हो 2. ऐसा (चावल या) खाद्य पदार्थ जो निम्न कोटि का हो।

अनन्नास पुं. (तत्.) एक फल जिसके ऊपरी भाग में अंकुरों जैसी एक मोटी और लंबी गाँठ-सी बन जाती है, इसका स्वाद खटमिट्ठा होता है।

अनन्य वि. (तत्.) 1. अन्य से संबंध न रखने वाला, एकनिष्ठ, एक में लीन 2. अद्वितीय 3. अभिन्न 4. अविभक्त।

अनन्यगति वि. (तत्.) जिसका दूसरा सहारा या गति न हो।

अनन्यगुरु वि. (तत्.) 1. जिससे बड़ा कोई न हो 2. एक ही गुरु वाला।

अनन्यचित्त वि. (तत्.) जिसका चित्त किसी अन्य जगह न हो, एकाग्रचित्त।

अनन्यचेत वि. (तत्.) 1. किसी विषय में लीन, तल्लीन 2. एक ही ओर मन या ध्यान लगाने वाला, एकाग्रचित्त।

अनन्यज वि. (तत्.) कामदेव जो किसी अन्य में या अन्य द्वारा उत्पन्न नहीं होता है बल्कि स्वयं अपने मन में ही उत्पन्न होता है, 'मनसिज'।